CORDOVA® App 24X7
For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT
For Teachers Only

सुप्रभातम्

संस्कृत पाठमाला

7

CORDOVA®

Scanned by CamScanner

विषय-सूची

पाठ का नाम		पृष्ठ संख्या
स्तुतिः	...	5
1. अहं वृक्षः अस्मि – संवाद (लट्-लृट्लकारयोः पुनरावृत्तिः)	...	6
2. क्रोधी मण्डूकः – कथा [लङ्लकारः (प्रथमपुरुषः)]	...	11
3. स्वच्छं भारतम् – लेख [लङ्लकारः (मध्यमपुरुषः)]	...	15
4. गृध्रमार्जारकथा – कथा [लङ्लकारः (उत्तमपुरुषः)]	...	19
5. उत्तमा मैत्री – चित्रकथा	...	24
6. लोकहितं मम करणीयम् – गीतम्	...	29
7. अनुशासनम् – संवाद (लोट्लकारः त्रिषु वचनेषु)	...	33
• प्रयाण-गीतम् (केवलं पठनाय)	...	38
8. व्यायामः – लेख (प्रत्ययाः – क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्)	...	39
9. आत्मावलम्बनम् – लेख (संख्याबोधः)	...	44
10. विद्यायाः महत्त्वम् – मधुरवचनानि	...	49
11. क्रीडा-महोत्सवः – संवाद (उपसर्गाः)	...	54
12. अहिंसा परमो धर्मः – प्रेरक-प्रसंगः	...	58
13. सुवचनानि – श्लोकाः	...	62
14. दुःस्वप्नदर्शनम् – हास्यकथा	...	66
• बुद्धिर्यस्य बलं तस्य (केवलं पठनाय)	...	70
15. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी – परिचय (अव्ययप्रयोगाः)	...	71
16. गीतामृतम् – उपदेश	...	76
अपठित बोधः – अपठित गद्यांश	...	80
चित्र-वर्णनम्	...	83
पत्र-लेखनम्	...	86
संवादाः	...	89
परिशिष्टम्		
• शब्द-रूपाणि	...	91
• धातु-रूपाणि	...	97
प्रत्यय, अव्यय	...	102
शब्दकोशः	...	104
अभ्यास प्रश्न-पत्रम्-1	...	109
अभ्यास प्रश्न-पत्रम्-2	...	113

Scanned by CamScanner

स्तुतिः

1. अज्ञानतिमिरान्धस्य, ज्ञानाञ्जनशलाकया।
चक्षुरुन्मीलितं येन, तस्मै श्रीगुरवे नमः।।1।।

अर्थ-जिसने अज्ञान रूपी नेत्ररोग के कारण अन्धे हो चुके व्यक्ति के नेत्र को ज्ञान रूपी अंजन (काजल) की शलाका (तीली) से खोला है। ऐसे श्री गुरु को मेरा नमस्कार हो। (गुरु ने ही ज्ञान रूपी चक्षुओं के माध्यम से विश्व को जानने की शक्ति प्रदान की।)

2. सर्वस्तरतु दुर्गाणि, सर्वे भद्राणि पश्यतु।
सर्वः कामानवाप्नोतु, सर्वः सर्वत्र नन्दतु।।2।।

अर्थ-हे प्रभु! सभी कठिनाइयों को पार करें, सभी अच्छाइयों को देखें, सभी इच्छित पदार्थों को प्राप्त करें तथा सभी सर्वत्र प्रसन्न रहें।

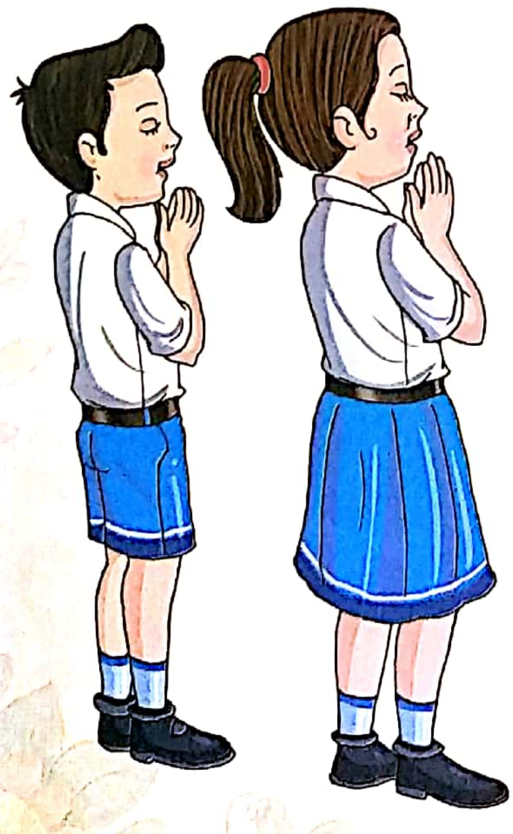

3. प्रभो! देशरक्षाबलं मे प्रयच्छ,
नमस्तेऽस्तु देवेश बुद्धिं च यच्छ।
सुतास्ते वयं शूरवीराः भवाम,
गुरून् मातरं चापि तातं नमामि।।3।।

अर्थ-हे प्रभु! हे देवेश! आपको नमस्कार हो। मुझे देश रक्षा करने की शक्ति दो। मुझे बुद्धि दो, हम आपके शूरवीर पुत्र बनें। हम गुरु, माता और पिता को नमस्कार (सम्मान) करें।

Scanned by CamScanner

1 अहं वृक्षः अस्मि (संवाद)

लट्-लृट्लकारयोः पुनरावृत्तिः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

स्मरणीय बिन्दु– 'म्' के बाद यदि व्यंजन से शुरू होने वाला शब्द हो तो 'म्' का अनुस्वार (ं) हो जाता है; जैसे– **सः बालकं पश्यति**। यहाँ 'बालकं' शब्द में 'म्' का प्रयोग न होकर अनुस्वार (ं) का प्रयोग हुआ है। क्योंकि '**बालकं**' शब्द के 'म्' के बाद '**पश्यति**' शब्द के 'प्' (व्यंजन) वर्ण के कारण '**बालकम्**' न होकर '**बालकं**' यानी 'म्' का अनुस्वार हो गया है। किन्तु यदि '**सः बालकम् अपश्यत्**' होता तो यहाँ पर '**बालकम्**' के 'म्' का अनुस्वार नहीं होता क्योंकि '**बालकम्**' के 'म्' के बाद वाला शब्द स्वर (अ) '**अपश्यत**' से शुरू हुआ है।

लट्-लृट्लकारयोः पुनरावृत्तिः

क्रिया-पद के अर्थ का निर्धारण लकारों द्वारा किया जाता है। क्रिया के मूलरूप 'धातु' का प्रयोग लकार के रूपों में करते हैं। संस्कृत में मुख्यतः पाँच लकारों का प्रयोग किया जाता है–

लट्लकारः – वर्तमानकालः
लृट्लकारः – भविष्यत्कालः
लङ्लकारः – भूतकालः
लोट्लकारः – आज्ञार्थकः
विधिलिङ्लकारः – 'चाहिए' अर्थे

- यहाँ लट् एवं लृट्लकार का अभ्यास सीखेंगे।

पठ् धातुः लट्लकारः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यमः पुरुषः	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तमः पुरुषः	पठामि	पठावः	पठामः

शिक्षक के लिए

- शिक्षक लट्लकार के रूप बोलेंगे, छात्र उनका लृट्लकार का रूप बोलेंगे।
- वृक्ष की महत्ता पर कक्षा में चर्चा करेंगे।
- जिन धातुओं के लृट्लकार में भिन्न रूप चलते हैं, उनका अभ्यास कराना; जैसे–दृश्-द्रक्ष्यति।
- सभी लकारों में क्रियारूप पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग तीनों लिंगों में समान ही रहते हैं।

Scanned by CamScanner

पठ् धातुः लृट्लकारः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
मध्यमः पुरुषः	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
उत्तमः पुरुषः	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः

अहं वृक्षः अस्मि

सर्वज्ञः – हे ज्ञायक! त्वं कुत्र गच्छसि?

ज्ञायकः – अहं वृक्षारोपणार्थम् उद्यानं गच्छामि।

सर्वज्ञः – अहमपि त्वया सह चलामि।

(उद्याने वृक्षारोपणं कुरुतः)

सर्वज्ञः – वसुधायाम् अङ्कुरेण वृक्षः कथं भविष्यति?

ज्ञायकः – इमं प्रश्नं वृक्षमेव पृच्छावः।

सर्वज्ञः – वृक्षः अपि वदति किम्?

ज्ञायकः – आम्! वृक्षः अपि जीवः अस्ति। अद्य वयं वृक्षस्य आत्मकथां शृणुमः।

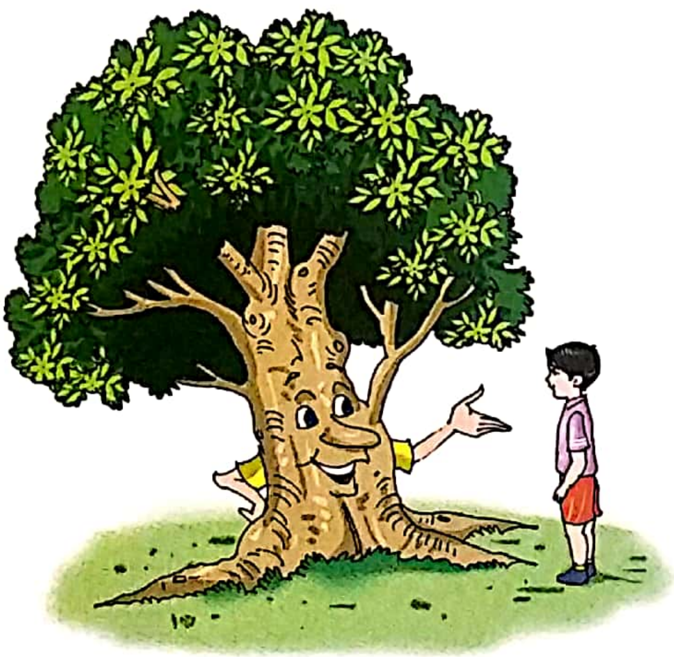

अहं वृक्षः अस्मि। मम जन्म वसुधायाः गर्भे बीजात् अङ्कुरस्य रूपेण भवति। क्रमशः द्वे पत्रे, अनेकानि पत्राणि ततश्च फलानि अपि आगच्छन्ति। मम हृदये अनेके खगाः वसन्ति। पत्राणां छायायां जनाः शीतलताम् अनुभवन्ति। मम फलानि मनुष्याः खगाः च खादन्ति।

यदा अहं वृद्धः भविष्यामि तदा मम देहः जीर्णः (शुष्कः) भविष्यति। मम शरीरे नवीनानि पत्राणि न आगमिष्यन्ति। फलानि न फलिष्यन्ति। जनाः खगाः च मम पार्श्वे न आगमिष्यन्ति। काष्ठिकः मम छेदनं करिष्यति। काष्ठेन विविधाः उपस्काराः भविष्यन्ति मम। मम जीवनं परोपकारायैव अस्ति। अतः मम विषये उक्तम् च।

मूल्यः परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः, परोपकारार्थमिदं शरीरम्॥

Scanned by CamScanner

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी	संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
त्वया	तुम्हारे द्वारा	By you	वसुधायाम्	पृथ्वी में	On land
शृणुमः	(हम सब) सुनते हैं	We all listen	आत्मकथाम्	आत्मकथा को	Autobiography
गर्भे	गर्भ में	In the womb	बीजम्	बीज	Seed
अङ्कुरेण	अङ्कुर के द्वारा	Sprout	छायायाम्	छाया में	In the shade
शीतलताम्	ठंडक को	Coolness	काष्ठिकः	लकड़हारा	Woodcutter
उपस्काराः	लकड़ी के सामान	Furniture	छेदनम्	काटना	Cut
विविधाः	अनेक प्रकार के	Of many types	परोपकारायैव	परोपकार के लिए ही	For philanthropy
दुहन्ति	दूध देती हैं	Give milk	वहन्ति	बहती हैं	Flows
वृक्षारोपणार्थम्	पेड़ बोने के लिए	For tree planting	कथम्	कैसे	How
भविष्यति	होगा	Will happen	पृच्छावः	(हम दोनों) पूछते हैं	Asks
द्वे पत्रे	दो पत्ते	Two leaves	ततश्च	और उसके बाद	And after that
पत्राणाम्	पत्तों की	Of the leaves	देहः	शरीर	Body
अनुभवन्ति	अनुभव करते हैं	Realise	नवीनानि	नए	New
जीर्णः (शुष्कः)	सूखा	Dry	काष्ठेन	लकड़ी से	From wood
आगमिष्यन्ति	आएँगे	Will come	उक्तम्	कहा गया है	Having said
पार्श्वे	पास में	Near	नद्यः	अनेक नदियाँ	Rivers
फलन्ति	फलते हैं	Are flourishing	गावः	(अनेक) गायें	Cows

अभ्यासः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।

शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words correctly.)

वसुधायाम्   अङ्कुरेण   वृक्षारोपणार्थम्   काष्ठेन   वृद्धाः   उपस्काराः

लिखितः

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत।

विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए। (Choose the correct answers from the options given below.)

(क) पृथ्वी पर पेड़ किससे पैदा होते हैं?

(*i*) फल से ☐ (*ii*) जड़ से ☐ (*iii*) बीज से ☐ (*iv*) पानी से ☐

Scanned by CamScanner

(ख) पेड़ (वनस्पति) क्या है?

(*i*) अजीव ☐ (*ii*) जीव ☐ (*iii*) जीवाजीव ☐ (*iv*) अचेतन ☐

(ग) पक्षी अपना घोंसला कहाँ बनाते हैं?

(*i*) पेड़ के पत्तों पर ☐ (*ii*) पेड़ की कोटर में ☐

(*iii*) खुले आकाश में ☐ (*iv*) ज़मीन के नीचे ☐

(घ) 'उपस्काराः' शब्द का अर्थ है–

(*i*) मिट्टी के सामान ☐ (*ii*) लोहे के सामान ☐

(*iii*) लकड़ी के सामान ☐ (*iv*) सोने के सामान ☐

2. निम्नवाक्यानां निर्दिष्ट-लकारे परिवर्तनं कुरुत।

निम्न वाक्यों का निर्दिष्ट लकार में परिवर्तन कीजिए।

(Change the tense of the following sentences as directed.)

(क) तौ लेखं न **अलिखताम्**। (लट्लकारः) ....

(ख) यूयं कन्दुकेन **अक्रीडत**। (लृट्लकारः) ....

(ग) त्वं फलम् **अखादः**। (लट्लकारः) ....

(घ) त्वं जलं **पास्यसि**। (लट्लकारः) ....

3. संस्कृतभाषायाम् उत्तरत।

संस्कृत में उत्तर दीजिए। (Answer these questions in Sanskrit.)

(क) वृक्षस्य धर्मः कः अस्ति? ....

(ख) अङ्कुरः कस्मात् भवति? ....

(ग) वृक्षस्य फलानि के खादन्ति? ....

(घ) परोपकाराय काः वहन्ति? ....

4. स्तम्भानां मेलनं कृत्वा सार्थकवाक्यं लिखत।

स्तंभों का मिलान करके सार्थक वाक्य बनाकर लिखिए।

(Choose the word from each column to make meaningful sentence.)

त्वं	पुस्तकानि	खादन्तु	..................त्वं दुग्धं पिब।..................
दामोदरः	फलानि	अपठत्	....
अहं	दुग्धं	द्रक्ष्यामि	....
भवन्तः	दूरदर्शनं	पिब	....
बालिके	मालां	गमिष्यामः	....
वयं	पाटलिपुत्रं	गुम्फतः	....

(Example shown with arrows: त्वं → दुग्धं → पिब → त्वं दुग्धं पिब।)

5. संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत।

संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए। (Translate the following sentences in Sanskrit.)

(क) सूर्य पूर्व दिशा में उगता है। ....

(ख) दो तोते पेड़ पर बैठे हैं। ....

Scanned by CamScanner

(ग) सिद्धिका कल विद्यालय जाएगी। ....

(घ) अध्यापक कक्षा में प्रवेश कर रहे हैं। ....

6. **निर्देशानुसारानि धातुरूपाणि लिखत।**

निर्देशानुसार धातु रूप लिखिए। (Write the forms of the words given below as directed.)

	धातुः	लकारः	पुरुषः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क)	पठ्	लृट्	उत्तम	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः
(ख)	अस्	लङ्	प्रथम	....	....	....
(ग)	स्था (तिष्ठ्)	लट्	मध्यम	....	....	....
(घ)	पा (पिब्)	लृट्	प्रथम	....	....	....

7. **लृट्लकारस्य पदानि चिनुत।**

लृट्लकार के क्रियापदों को छाँटिए। (Select the verb forms used in future tense.)

अहं यदा वृद्धः भविष्यामि, तदा मम शरीरं शुष्कं भविष्यति। नवीनानि पत्राणि न आगमिष्यन्ति। काष्ठिकः मम छेदनं करिष्यति। जनाः मम शुष्काः शाखाः इन्धन-रूपेण व्यवहरिष्यन्ति।

8. **अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत।** नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्नः

- **कुछ तथ्य जो आज हैं, वे प्राचीनकाल में भी थे और भविष्य में भी होंगे। यदि आप सहमत हैं, तो उस वाक्य के सामने ✓ निशान लगाए–**

सत्य बोलो।	☐	वसुधैव कुटुम्बकम्।	☐	शाकाहारी बनो।	☐
सत्यं शिवं सुन्दरम्।	☐	सर्वे भवन्तु सुखिनः।	☐	क्षमा करना।	☐
आचरण पहला धर्म।	☐	सत्य की जीत।	☐		

रचनात्मकः अभ्यासः

चित्रों को देखकर लट् और लृट्लकार के वाक्य बनाइए। (Look at the pictures and make sentences as directed.)

जैसे–

बालकः क्रीडति। ....

बालकः क्रीडिष्यति। ....

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

1. पर्यावरण शुद्धि में वृक्ष के योगदान पर संस्कृत भाषा में पाँच वाक्य लिखिए तथा चित्र भी बनाइए।
2. वृक्ष की आत्मकथा अपने शब्दों में लिखिए।

Scanned by CamScanner

2 क्रोधी मण्डूकः (कथा)

लङ्लकारः (प्रथमपुरुषः)

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

अब तक लट् एवं लृट् लकार का प्रयोग पढ़ चुके हैं। लङ्लकार का प्रयोग भूतकाल की क्रिया बनाने के लिए किया जाता है। प्रथम पुरुष के रूप बनाने के लिए क्रिया के पूर्व में 'अ' जोड़ते हैं तथा क्रमशः, **'अत्'**, **'अताम्'** और **'अन्'** प्रत्यय अंत में लगाते हैं; जैसे–

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
सः अपठत्। (अ + पठ् + अत्)	तौ अपठताम्। (अ + पठ् + अताम्)	ते अपठन्। (अ + पठ् + अन्)
उसने पढ़ा।	उन दोनों ने पढ़ा।	उन सबने पढ़ा।

प्रथम पुरुष कर्ता के साथ लङ्लकार की क्रिया का प्रयोग–

छात्रः अपठत्।

छात्रौ अपठताम्।

छात्राः अपठन्।

अध्यापिका कक्षाम् आगच्छत्।

अध्यापिके पुस्तके अपठताम्।

अध्यापिकाः छात्रैः सह अक्रीडन्।

शिक्षक के लिए

- लङ्लकार का रूप बनाने के लिए धातु के साथ क्त और क्तवतु प्रत्यय प्रयोग करते हैं; जैसे– पद् + क्तवतु = पठितवान्।
- लट्लकार के धातु रूपों के अन्त में 'स्म' लगाने से लङ्लकार का रूप बन जाता है; जैसे–भ्रमति स्म।

Scanned by CamScanner

क्रोधी मण्डूकः

पुण्डरीकनामके कूपे एकः क्रोधी मण्डूकः अवसत्। एकस्मिन् दिवसे अन्यैः मण्डूकैः सह तस्य कलहः अभवत्। प्रतिशोधार्थं सः कूपात् बहिः आगच्छत्। सः विषधरेण कृष्णसर्पेण सह पुनः कूपम् आगच्छत्। सर्पः कूपे अवसत्। सः क्रमेण शत्रून् मण्डूकान् अखादत्। यदा सर्वे शत्रवः नष्टाः अभवन्। तदा मण्डूकः सर्पं बहिः गन्तुम् अकथयत्। सर्पः अवदत्- अधुना अहं न गच्छामि। तत्पश्चात् सः मण्डूकम् अपि अभक्षयत्। उक्तं च–

मूल्यः क्रोधः स्वस्यैव नाशकः।

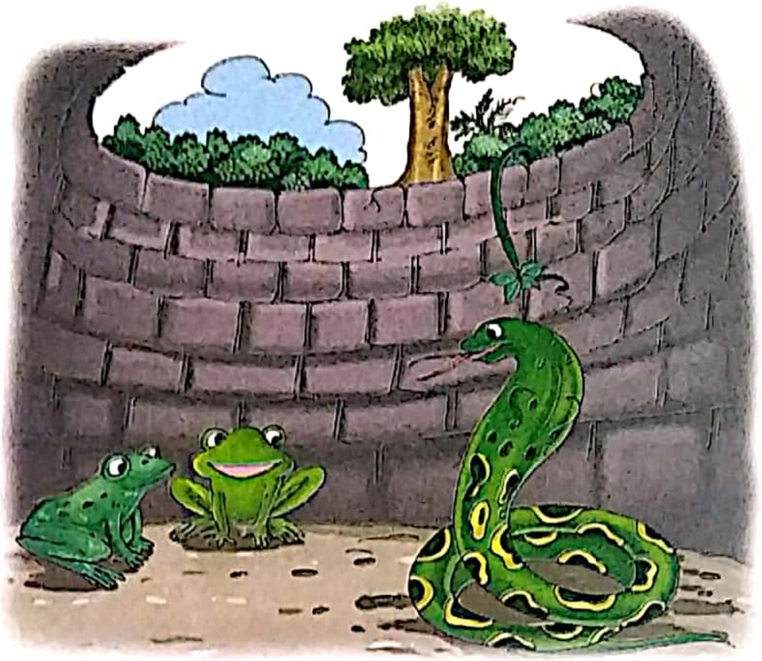

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी	संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
मण्डूकः	मेढक	Frog	अन्यैः सह	दूसरों के साथ	With others
कलहः	झगड़ा	Dispute	प्रतिशोधार्थम्	बदला लेने के लिए	To take revenge
कूपात्	कुएँ से	From the well	स्वस्यैव	खुद का ही	Of oneself
कृष्णसर्प	काला साँप	Black snake	शत्रून्	शत्रुओं को	Enemies
तदा	तब	Then	गन्तुम्	जाने के लिए	To go
अधुना	अब	Now	विषधरः	विष को धारण करने वाला	Having poison
अपि	भी	Also			
कूपे	कुएँ में	In well	तस्य	उसका	His
विषधरेण	विषैले	Toxic	पुनः	फिर	Again
सर्पम्	साँप को	Snake	बहिः	बाहर	Out
अकथयत्	कहा	Said	तत्पश्चात्	उसके बाद	Thereafter
अभक्षयत्	खा गया	Ate	नाशकः	नष्ट करने वाला	Destroyer

अभ्यासः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. **शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।**

शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words correctly.)

कूपात् शत्रून् प्रतिशोधार्थम् मण्डूकः विषधरम् गन्तुम्

Scanned by CamScanner

2. उच्चारणं कृत्वा अर्थं वदत।
उच्चारण करके अर्थ बोलिए। (Pronounce and tell the meanings.)

(क) बालकौ पाठम् अस्मरताम्।
(ख) सैनिकः देशम् अरक्षत्।
(ग) कन्याः दुग्धम् अपिबन्।
(घ) रात्रौ रात्रिभोजः भवति स्म।

लिखितः

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत।
दिए गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।
(Choose and write the correct answers from the options given below.)

(क) सक्षमः विद्यालयम् ....।
(*i*) अगच्छत् (*ii*) अगच्छताम् (*iii*) अगच्छम् (*iv*) अगच्छः

(ख) पाखी स्वपाठम् ....।
(*i*) अस्मरम् (*ii*) अस्मरत (*iii*) अस्मरत् (*iv*) अस्मरताम्

(ग) सिद्धिका मधुरं फलम् ....।
(*i*) अखादाव (*ii*) अखादत् (*iii*) खादिष्यामः (*iv*) अखादाम

(घ) तौ अध्यापकाय पुस्तकम् ....।
(*i*) अयच्छः (*ii*) अयच्छत् (*iii*) अयच्छताम् (*iv*) अतिष्ठः

2. मञ्जूषातः उचितपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।
मञ्जूषा में से सही पद चुनकर रिक्त स्थान पूरा कीजिए।
(Choose the correct word and fill in the blanks.)

(क) नराः उद्याने ....।
(ख) बालाः पादकन्दुकेन ....।
(ग) अध्यापिके .... आगच्छताम्।
(घ) लवः कुशः .... भ्रातरौ आस्ताम्।

कक्षाम्
च
अभ्रमन्
अक्रीडन्

3. एकपदेन उत्तरत।
एक पद में उत्तर दीजिए। (Answer these questions in one word.)

(क) मण्डूकः कुत्र अवसत्? ....
(ख) के पुस्तके अपठताम्? ....
(ग) मण्डूकः कीदृशः आसीत्? ....
(घ) मण्डूकः केन सह कूपम् आगच्छत्? ....
(ङ) कः मण्डूकम् अभक्षयत्? ....

Scanned by CamScanner

4. अधोलिखितवाक्यानि लङ्लकारे परिवर्तयत।
निम्नलिखित वाक्यों को लङ्लकार में बदलिए। (Change the following sentences into past tense.)

(क) यूयं सर्वे गच्छथ। ....

(ख) सः बहिः गच्छति। ....

(ग) सर्वे मिलित्वा स्वागतगीतं गायन्तु। ....

(घ) ते नृत्यन्ति। ....

5. निम्नधातूनां प्रथमपुरुषस्य लङ्लकारस्य रूपाणि लिखत।
निम्न धातुओं के प्रथम पुरुष लङ्लकार (भूतकाल) के रूप लिखिए।
(Write the form of the verbs given below as directed.)

हस्, पा (पिब्), मिल्, कृ, चिन्त्, अस्

6. अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत। नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्न

- क्रोधी व्यक्ति किसका नाश करता है?

दूसरे का ☐ स्वयं का ☐ किसी का भी नहीं ☐ सबका ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

कर्ता के अनुसार उचित क्रियापद वर्ग-पहेली में से छाँटकर लिखिए।

(i) ते ...अभवन्...। (ii) तौ ....।
(iii) मण्डूकः ....। (iv) शशकः तीव्रं ....।
(v) छात्राः ....। (vi) वृक्षाः ....।
(vii) पुष्पे ....। (viii) अहं ....।
(ix) त्वं ....। (x) महिला ....।
(xi) भक्ताः ईश्वरं ....। (xii) वयं कार्यं ....।

अ	प	ठ	ता	म्	आ
भ	अ	व	स	त्	स
व	धा	अ	क्री	ड	न्
न्	व	सा	मि	अ	स्ति
रु	त्	क	रो	पि	स
तः	कु	र्मः	न	म	न्ति

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

छात्र लङ्लकार पर आधारित प्रथम पुरुष के दस वाक्य अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लिखें एवं चित्रों को भी चिपकाएँ।

Scanned by CamScanner

3 स्वच्छं भारतम् (लेख)

लङ्लकारः (मध्यमपुरुषः)

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

वार्तालाप में सुनने वाला व्यक्ति मध्यम पुरुष होता है। मध्यम पुरुष के कर्ता **'त्वम्'**, **'युवाम्'** एवं **'यूयम्'** हैं। यही तीनों लिंगों में प्रयुक्त होते हैं। मध्यम पुरुष की क्रिया में क्रमशः–**'अः'**, **'अतम्'** और **'अत'** प्रत्यय का प्रयोग होता है; जैसे–

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
त्वम् अपठः (अ + पठ् + अः) तुमने पढ़ा।	युवाम् अपठतम् (अ + पठ् + अतम्) तुम दोनों ने पढ़ा।	यूयम् अपठत (अ + पठ् + अत) तुम सबने पढ़ा।

त्वं क्रीडाप्रतियोगितायाम् अक्रीडः।
त्वं जनकेन सह अक्रीडः।
त्वं कन्दुकेन सह अक्रीडः।

किं युवां देवालयम् अगच्छतम्?
ह्यः युवां किमर्थम् अधावतम्?
युवां क्षिप्रम् अचलतम्।

यूयं निर्धनाय धनम् अयच्छत।
ह्यः यूयं मार्गे बुभुक्षितं भिक्षुकम् अपश्यत।
यूयं भिक्षुकाय भोजनं वस्त्राणि च आनयत।

शिक्षक के लिए

- अध्यापक छात्रों को लङ्लकार प्रथम पुरुष एकवचन एवं मध्यम पुरुष बहुवचन का अंतर अवश्य समझाएँ। जिससे छात्रों को पता चले कि प्रथम पुरुष एकवचन में (त्) हलन्त है तथा मध्यम पुरुष बहुवचन में (त) हलन्त नहीं है; यथा–सः अलिखत्। यूयम् अलिखत।

Scanned by CamScanner

स्वच्छं भारतम्

स्वच्छ-शब्दस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति– सु + अच्छ इति। स्वजीवने स्वच्छता आवश्यकी अस्ति। स्वच्छतायाः अभावे जनानां शरीराणि विविधैः रोगैः पीडितानि भवन्ति। नराः मलिनपदार्थान् अवशिष्टान् च यत्र-तत्र क्षिप्त्वा परिसरं मलिनं कुर्वन्ति। तेन जन-जीवने शान्तिः नश्यति। स्वगृहस्य, मार्गस्य विद्यालयस्य च स्वच्छीकरणम् अस्माकं कर्तव्यम् अस्ति। स्थाने-स्थाने स्वच्छतायाः विशेषरूपेण ध्यानं कुर्वन्तु। स्वच्छतायां स्वास्थ्यम् ईश्वरः च वसतः। अद्य वयं संकल्पं कुर्मः–

मूल्यः वयं स्वच्छं भारतम् अभियाने पूर्णं सहयोगं करिष्यामः।

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
क्रीडाप्रतियोगिता	खेल प्रतियोगिता	Sports competition
अपठताम्	उन दोनों ने पढ़ा	Both of you read
क्षिप्रम्	शीघ्र	Quick
ह्यः	बीता हुआ कल	Yesterday
किमर्थम्	किसलिए	Why
निर्धनाय	गरीब के लिए	For poor
बुभुक्षितः	भूखा	Hungry
कन्दुकेन सह	गेंद के साथ	With a ball
देवालयम्	मन्दिर	Temple
अधावतम्	(तुम दोनों) दौड़े	(You both) run
आनयत	(तुम सब) लाए	(You all) brought
मलिनपदार्थान्	गन्दे पदार्थों को	Dirty substances
क्षिप्त्वा	फेंककर	Throwing
स्थाने-स्थाने	जगह-जगह पर	Place to place
कुर्मः	(हम सब) करते हैं	(We all) do

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
मलिनम्	गन्दा	Dirty
अभियानम्	सामूहिक कार्य	Expedition
परिसरः	चारों ओर का क्षेत्र	Surrounding area
स्वकक्षाम्	अपनी कक्षा को	Our class
परम्	लेकिन	But
मार्गदर्शनम्	दिशा-निर्देश	Guidelines
भिक्षुकाय	भिखारी के लिए	For beggar
अक्रीडः	(तुमने) खेला	(You) played
किम्	क्या	What
अयच्छत	(तुम सबने) दिया	(You all) gave
स्वजीवने	अपने जीवन में	In our life
अवशिष्टान्	बचे हुए पदार्थों को	The remaining substances
अस्माकम्	हम सबका	Of us all
अद्य	आज	Today
पूर्णम्	पूरा	Complete

अभ्यासः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।
   शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words correctly.)
   स्वपाठम् मधुरम् चिकित्सकः स्वच्छता भिक्षुकाः निर्धनाय वस्त्राणि प्रसन्नाः

Scanned by CamScanner

2. उच्चारणं कृत्वा अर्थं वदत–

उच्चारण करके अर्थ बोलिए। (Pronounce and tell the meanings.)

(क) त्वं निर्धनाय वस्त्राणि अयच्छः। (ख) युवां पत्रम् अलिखतम्।

(ग) जनजीवने शान्तिः नश्यति। (घ) अद्य वयं संकल्पं कुर्मः।

लिखितः

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत।

दिए गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।

(Choose and write the correct answers from the options given below.)

(क) त्वं पितामहेन सह ....।

(*i*) अक्रीडतम् (*ii*) अक्रीडत (*iii*) अक्रीडः (*iv*) अक्रीडन्

(ख) यूयं प्रसन्नाः ....।

(*i*) अभवताम् (*ii*) अभवतम् (*iii*) अभवत (*iv*) अभवाम

(ग) युवां परिवारेण सह चित्रागारम् ....।

(*i*) अगच्छः (*ii*) अगच्छत (*iii*) अगच्छतम् (*iv*) अगच्छताम्

(घ) त्वं कक्षायां कविताम् ....।

(*i*) अपठः (*ii*) अपठताम् (*iii*) अपठन् (*iv*) अपठाव

2. एकपदेन उत्तरत।

एक शब्द में उत्तर दीजिए। (Answer these questions in one word.)

(क) युवां पुस्तकालये कानि अपठतम्? ....

(ख) नराः अवशिष्टान् क्षिप्त्वा किं मलिनं कुर्वन्ति? ....

(ग) जनाः कैः पीडिताः सन्ति? ....

(घ) अस्माकं कर्तव्यं किम् अस्ति? ....

3. लङ्लकारस्य मध्यमपुरुषस्य उचितक्रियापदैः रिक्तस्थानानि पूरयत।

लङ्लकार मध्यमपुरुष के उचित क्रियापदों से रिक्त स्थान भरिए।

(Fill in the blanks using past tense form of the verbs given in the brackets.)

(क) त्वं मधुरं वचनम् ....। (अवदतम्, अवदः, अवदत)

(ख) युवां कन्दुकेन कदा ....? (अक्रीडः, अक्रीडत, अक्रीडतम्)

(ग) प्रातःकाले युवां स्वपाठम् ....। (अपठतम्, अपठत, अपठः)

(घ) यूयं निर्मलं जलम् ....। (अपिबः, अपिबताम्, अपिबत)

4. अधोलिखित-क्रियापदानि पदपरिचयं लिखत।

अधोलिखित क्रिया पदों का पद परिचय लिखिए।

(Write the forms of the words in each as directed.)

क्रियापदानि	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
अपठतम्	पठ्	लङ्लकारः	मध्यमपुरुषः	द्विवचनम्

Scanned by CamScanner

अनमत	....	....	....	....
अवदः	....	....	....	....
अचलः	....	....	....	....
अस्मरत्	....	....	....	....

5. **संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत।**

संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए। (Translate these sentences in Sanskrit.)

(क) तुमने कौन-सा चलचित्र देखा? ....
(ख) तुम दोनों ने खाना खाया? ....
(ग) तुम सबने गीत गाए। ....
(घ) तुम हवाई जहाज़ से कहाँ गए थे? ....
(ङ) तुम सबने लेख लिखा। ....

6. **अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत।** नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्नः

- **सज्जन व्यक्ति की संगति से दुर्जन व्यक्ति का हृदय भी परिवर्तित हो जाता है। सज्जन व्यक्ति के कौन-कौन से गुण दुर्जन के हृदय को परिवर्तित कर देते हैं–**

सत्य, धैर्य, क्षमा ☐ क्रोध, हिंसा, असत्य ☐ मान, माया, लोभ ☐ चोरी, कुशील, परिग्रह ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

निम्नलिखित गतिविधि में रंग-बिरंगे दो-दो फूल दिए गए हैं, जिनमें से एक में संज्ञा शब्द लिखे हैं। अब आप दूसरे फूल में उस संज्ञा से संबंधित शब्द मञ्जूषा से चुनकर लिखिए।

पाठः औषधिः भोजनम् आभूषणम् चित्रम्

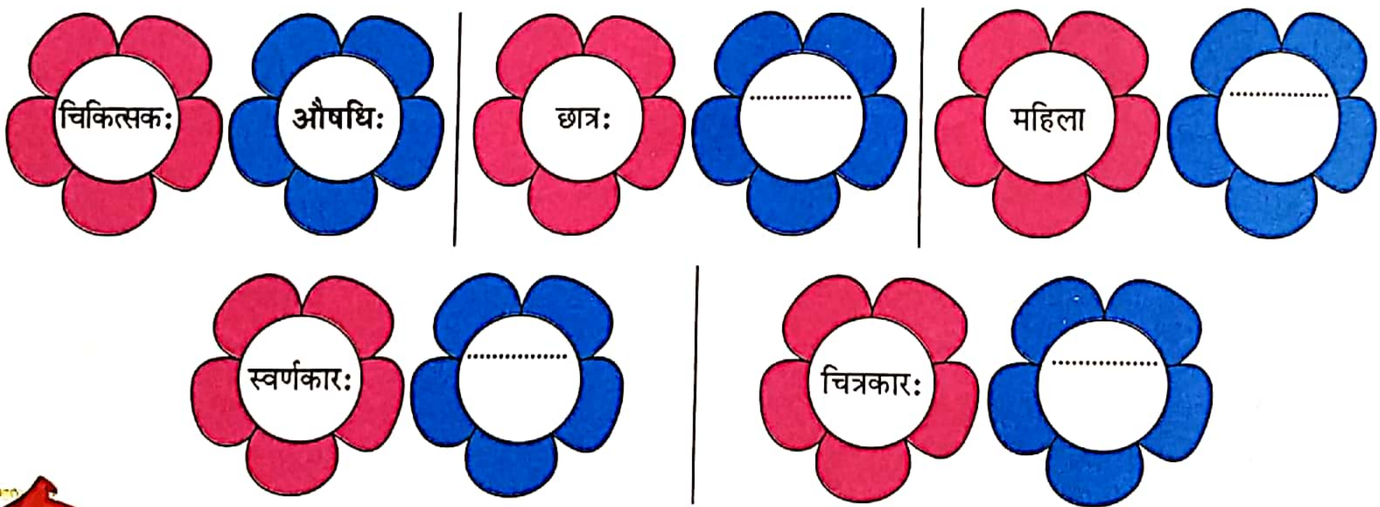

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

छात्र पठ्, खाद्, धाव्, गम् – इन धातुओं के लङ्लकार एवं लट् लकार मध्यमपुरुष के रूप अपनी प्रोजेक्ट फाइल में तुलनात्मक अध्ययन करते हुए लिखें।

Scanned by CamScanner